WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

शनिवार 03 दिसंबर 2022 | अंक - 319

www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

www.twitter.com/worldkhabarexpress www.facebook.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress MID DAY E

कृषि शिक्षा की तरफ युवाओं का बढ़ रहा रुझानः डी.आर. सिंह

कृषि शिक्षा दिवस पर वैज्ञानिकों एवं छात्र छात्राओं को कुलपति ने दी शुभकामनाएं

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ डी.आर. सिंह ने आज 3 दिसंबर 2022 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद के जन्मदिवस को कृषि शिक्षा दिवस के रूप में मनाया तथा विश्वविद्यालय के शिक्षकों वैज्ञानिकों एवं छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं भी दीं। कुलपति डॉक्टर सिंह ने कहा कि हमें कृषि के क्षेत्र में अधिक प्रतिभाशाली छात्रों, सक्षम संकाय और अभिनव शोध कार्यकर्ताओं को कृषि शिक्षा की तरफ आकर्षित करना है। उन्होंने यह भी बताया कि देश में अंगीकृत की गई नई शिक्षा नीति 2020 छात्रों एवं किसानों को केंद्रित करके बनाई गई है ।जिससे कृषि में उद्यमिता का विकास होगा और रोजगार की अपार संभावनाओं के साथ कृषक आत्मनिर्भर बनेंगे ।उन्होंने कहा कि कृषि शिक्षा को प्राथमिक स्तर से ही अनिवार्य करना चाहिए। जिससे छात्रों की कृषि शिक्षा और रुचिकर हो। उन्होंने यह भी बताया कि गोवा के 25 प्राथमिक स्कूलों में छात्र कृषि विषय को प्रयोग करके स्वयं सीखते हैं ।जो एक अनूठा उदाहरण है। उन्होंने बताया कि सभी कृषि छात्र स्नातक अंतिम वर्ष में इंटर्नशिप करते हैं जिसमें वे प्रशिक्षण, ग्रामीण जागरूकता,उद्योग के अनुभव, अनुसंधान विशेषज्ञता और उद्यमिता कौशल हासिल करने के लिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि जैव विविधता,उच्च उत्पादकता, खाद्य सुरक्षा के प्रति छात्रों को आकर्षित करना है। जिससे वे स्वयं के उद्यम स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकें।

हिंदुस्तान 04/12/2022

कृषि शिक्षा प्राथमिक स्तर से अनिवार्य हो

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ.डीआर सिंह ने कृषि शिक्षा दिवस पर कहा कि अब कृषि क्षेत्र में युवा भी आगे बढ़ रहे हैं। कृषि में उद्यमिता का विकास होगा और रोजगार की अपार संभावनाओं के साथ कृषक आत्मनिर्भर बनेंगे। उन्होंने कहा कि कृषि शिक्षा को प्राथमिक स्तर से ही अनिवार्य करना चाहिए।

मोबाइल स्विच ऑन कर लिए। डिव

दैनिक जागरण 04/12/2022

प्राथमिक स्तर पर कृषि शिक्षा हो अनिवार्य

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शनिवार को देश के प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेंद्र प्रसाद के जन्मदिवस को 'कृषि शिक्षा दिवस' के रूप में मनाया गया। कुलपति डा. डीआर सिंह ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विज्ञानियों व छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कृषि के क्षेत्र में अधिक प्रतिभाशाली छात्रों, शिक्षकों व शोधकर्ताओं को आकर्षित करने की अपील की। उन्होंने कृषि शिक्षा को प्राथमिक स्तर से अनिवार्य करने पर जोर दिया ताकि छात्रों की रुचि बढ़े। वि.

कृषि शिक्षा की तरफ युवाओं का बढ रहा रुझान

कृषि शिक्षा दिवस के अवसर पर शिक्षकों, वैज्ञानिकों एवं छात्र छात्राओं को कुलपति ने दी शुभकामनाएं

डीटीएनएन

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ डी.आर. सिंह ने आज 3 दिसंबर 2022 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद के जन्मदिवस को कृषि शिक्षा दिवस के रूप में मनाया तथा विश्वविद्यालय के शिक्षकों वैज्ञानिकों एवं छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं भी दीं। कुलपति डॉक्टर सिंह ने कहा कि हमें कृषि के क्षेत्र में अधिक प्रतिभाशाली छात्रों, सक्षम संकाय और अभिनव शोध कार्यकर्ताओं को कृषि शिक्षा की तरफ आकर्षित करना है। उन्होंने यह भी बताया कि देश में अंगीकृत की गई नई शिक्षा नीति 2020 छात्रों एवं किसानों को केंद्रित करके बनाई गई है जिससे कृषि में उद्यमिता का विकास होगा और रोजगार की अपार संभावनाओं के साथ कृषक आत्मनिर्भर बनेंगे उन्होंने कहा कि कृषि शिक्षा को प्राथमिक स्तर से ही अनिवार्य करना चाहिए। जिससे छात्रों की कृषि शिक्षा और रुचिकर हो। उन्होंने यह भी बताया कि गोवा के 25 प्राथमिक स्कूलों में छात्र कृषि विषय को प्रयोग करके स्वयं सीखते हैं जो एक अनूठा उदाहरण है। उन्होंने बताया कि सभी कृषि छात्र स्नातक अंतिम वर्ष में इंटर्नशिप करते हैं जिसमें वे प्रशिक्षण, ग्रामीण जागरूकता,उद्योग के अनुभव, अनुसंधान विशेषज्ञता और उद्यमिता कौशल हासिल करने के लिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि जैव चिकित्सा,उच्च उत्पादकता, खाद्य सुरक्षा के प्रति छात्रों को आकर्षित करना है। जिससे वे स्वयं के उद्यम स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकें।

राष्ट्रीय
सहारा
04/12/2022

‘कृषि शिक्षा की तरफ युवाओं का बढ़ रहा रुझान’

कानपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह ने भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के जन्म दिवस को कृषि शिक्षा दिवस के रूप में मनाया व शिक्षकों, वैज्ञानिकों एवं छात्रछात्राओं को शुभकामनायें दीं।

कुलपति श्री सिंह ने कहा कि हमें हमें कृषि के क्षेत्र में अधिक प्रतिभाशाली छात्रों, सक्षम संकाय और अभिनव शोध कार्यकर्ताओं को कृषि शिक्षा की तरफ आकर्षित करना है। उन्होंने वताया कि देश में अंगीकृत की गई नई शिक्षा नीति 2020 छात्रों व किसानों को केंद्रित करके वनाई गई है जिससे कृषि में उद्यमिता का विकास होगा और रोजगार की अपार संभावनाओं के साथ कृषक आत्मनिर्भर वनेंगे। उन्होनें कहा कि कृषि शिक्षा को प्राथमिक स्तर से ही अनिवार्य करना चाहिए। जिससे छात्रों की कृषि शिक्षा और रूचिकर हो। उन्होंने वताया कि गोवा के 25 प्राथमिक स्कूलों में छात्र कृषि विषय का प्रयोग करके स्वयं सीखते हैं। जो एक अनूठा उदाहरण है। उन्होंने वताया कि सभी कृषि छात्र स्नातक अंतिम वर्ष में इंटर्नशिप करते हैं, जिसमें वे प्रशिक्षण, ग्रामीण जागरूकता, उद्योग के अनुभव, अनुसंधान विशेषज्ञता और उद्यमिता कौशल हासिल करने के लिए जाते हैं। उन्होंने जैव विविधता, उच्च उत्पादकता, खाद्य सुरक्षा के प्रति छात्रों को आकर्षित करना है। जिससे वे स्वयं के उद्यम स्थापित कर आत्मनिर्भर वन सकें।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

र्ष:13 | अंक:284 | देहरादून, शनिवार, 03 दिसंबर, 2022 | पृष्ठ:08

कृषि शिक्षा दिवस पर शिक्षकों, वैज्ञानिकों व छात्र छात्राओं को दी शुभकामनाएं

अनिल मिश्रा (जनमत टुडे)

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ डी.आर. सिंह ने आज 3 दिसंबर 2022 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद के जन्मदिवस को कृषि शिक्षा दिवस के रूप में मनाया तथा विश्वविद्यालय के शिक्षकों वैज्ञानिकों एवं छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं भी दीं कुलपति डॉक्टर सिंह ने कहा कि हमें कृषि के क्षेत्र में अधिक प्रतिभाशाली छात्रों, सक्षम संकाय और अभिनव शोध कार्यकर्ताओं को कृषि शिक्षा की तरफ आकर्षित करना है उन्होंने यह भी बताया कि देश में अंगीकृत की गई नई शिक्षा नीति 2020 छात्रों एवं किसानों को केंद्रित करके बनाई गई है जिससे कृषि में उद्यमिता का विकास होगा और रोजगार की अपार संभावनाओं के साथ कृषक आत्मनिर्भर बनेंगे उन्होंने कहा कि कृषि शिक्षा को प्राथमिक स्तर से ही अनिवार्य करना चाहिए जिससे छात्रों की कृषि शिक्षा और रुचिकर हो उन्होंने यह भी बताया कि गोवा के 25 प्राथमिक स्कूलों में छात्र कृषि विषय को प्रयोग करके स्वयं सीखते हैं जो एक अनूठा उदाहरण है उन्होंने बताया कि सभी कृषि छात्र स्नातक अंतिम वर्ष में इंटर्नशिप करते हैं जिसमें वे प्रशिक्षण, ग्रामीण जागरूकता, उद्योग के अनुभव, अनुसंधान विशेषज्ञता और उद्यमिता कौशल हासिल करने के लिए जाते हैं।

गोवा की तर्ज पर प्राथमिक स्कूलों में पढ़ाया जाये कृषि विषय

कानपुर, 3 दिसम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद के जन्मदिवस को कृषि शिक्षा दिवस के रूप में मनाया। सीएसए के कुलपति डॉ. सिंह ने कहा कि हमें कृषि के क्षेत्र में अधिक प्रतिभाशाली छात्रों, सक्षम संकाय और अभिनव शोध कार्यकर्ताओं को कृषि शिक्षा की तरफ आकर्षित करना है। उन्होंने बताया कि देश में अंगीकृत की गई नई शिक्षा नीति 2020 छात्रों एवं किसानों को केंद्रित करके बनाई गई है, जिससे कृषि में उद्यमिता का विकास होगा और रोजगार की अपार संभावनाओं के साथ कृषक आत्मनिर्भर बनेंगे। उन्होंने कहाकि कृषि शिक्षा को प्राथमिक स्तर से ही अनिवार्य करना चाहिए, जिससे छात्रों की कृषि शिक्षा और रुचिकर हो। उन्होंने बताया कि गोवा के 25 प्राथमिक स्कूलों में छात्र कृषि विषय को प्रयोग करके स्वयं सीखते हैं, जो एक अनूठा उदाहरण है। उन्होंने बताया कि सभी कृषि छात्र स्नातक अंतिम वर्ष में इंटर्नशिप करते हैं जिसमें वे प्रशिक्षण, ग्रामीण जागरूकता,उद्योग के अनुभव, अनुसंधान विशेषज्ञता और उद्यमिता कौशल हासिल करने के लिए जाते हैं।